**भारत सरकार**

**आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3404**

**20 मार्च, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए**

**तमिलनाडु में मेट्रो रेल संपर्क**

**3404. श्री सी. एन. अन्नादुरईः**
**श्री नवसकनी के.:**

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु में प्रचालनशील और निर्माणाधीन लाइनों के संदर्भ में मेट्रो रेल संपर्क की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) राष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना में तमिलनाडु के मेट्रो रेल नेटवर्क की क्या स्थिति है;

(ग) विगत नौ वर्षों के दौरान सम्पूर्ण देश में विभिन्न मेट्रो रेल प्रणालियों में हुई उल्लेखनीय प्रौद्योगिकीय प्रगति के आलोक में, तमिलनाडु की मेट्रो परियोजनाओं में इसी प्रकार के नवोन्मेष को शामिल करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय कार्यान्वित किए/गए किए जा रहे हैं कि चेन्नई जैसे प्रमुख शहरी केन्द्रों में मेट्रो रेल संपर्क शहरी आवागमन की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप हो और राज्य में सतत् परिवहन समाधान में सहायक हो:

(ङ) तमिलनाडु में मेट्रो रेल परियोजनाओं संबंधी विलंब को रोकने और इन्हें समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करने हेतु इनके लिए वित्तपोषण पद्धति, परियोजना निगरानी तंत्र और जवाबदेही उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(च) तमिलनाडु में मेट्रो रेल के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित भावी योजनाओं और समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री**

**(श्री तोखन साहू)**

(क)(ख)(ग)(ङ)और(च) शहरी परिवहन, जो शहरी विकास का एक अभिन्न अंग है, राज्य विषय है। इसलिए, संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र(यूटी) मेट्रो रेल परियोजनाओं सहित शहरी परिवहन

इन्फ्रास्ट्रक्चर को शुरू और विकसित करने के लिए जिम्मेदार है। केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र(यूटी) द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर, प्रस्ताव की व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर शहरों या शहरी समूहों में ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता पर विचार करती है।

वर्तमान में, देश भर में लगभग 1,011 किलोमीटर मेट्रो रेल परियोजनाएँ चालू हैं और 979.462 किलोमीटर मेट्रो रेल परियोजनाएँ (दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस सहित) निर्माणाधीन हैं। वर्तमान में, चरण-। और चरण-।। इक्स्टेन्शन के तहत कवर किए गए 54 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क चेन्नई में पहले से ही चालू हैं और चेन्नई मेट्रो रेल चरण ।। परियोजना के तहत 118.9 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क पर निर्माण कार्य चल रहा है ।

चेन्नई मेट्रो कॉरिडोर शहर के प्रमुख केंद्रों जैसे हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशनों, सीएमबीटी, मयलापुर, अड्यार, पेरम्बूर आदि को शहर की बढ़ती शहरी मोबिलिटी आवश्यकताओं के अनुरूप कनेक्टिविटी और सतत परिवहन प्रणाली प्रदान करता है।

परियोजना को इक्विटी, सबॉर्डनेट ऋण और पास-थ्रू सहायता के रूप में वित्त पोषित किया जा रहा है। परियोजना की प्रगति की निगरानी तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति, चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड के निदेशक मंडल और इसके शीघ्र पूरा होने के लिए केंद्र और राज्य सरकार में विभिन्न स्तरों पर नियमित रूप से की जाती है।

(घ) हाल के वर्षों में, देशभर में संचालित विभिन्न मेट्रो रेलों में अनेक प्रगतियां और तकनीकी नवाचार हुए हैं। इनमें से कुछ उल्लेखनीय तकनीकी प्रगतियां इस प्रकार हैं:

(i) नमो भारत ट्रेन की शुरूआत- 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति और 160 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति वाली भारत की पहली अत्याधुनिक नमो भारत ट्रेन को दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ डिपो के बीच प्राथमिकता वाले खंड पर शुरू किया गया है;

(ii) यूरोपियन ट्रेन कंट्रोल सिस्टम (ईटीसीएस) - लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) बैकबोन पर हाइब्रिड लेवल- ।।। रेडियो आधारित ट्रेन सिग्नलिंग सिस्टम के साथ दुनिया की पहली अत्याधुनिक ईटीसीएस लेवल ।। को दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ डिपो के बीच चलने वाली नमो भारत ट्रेनों में शुरू किया गया है, जिससे यात्री सुरक्षा एक नए स्तर पर पहुंच गई है।

(iii) प्लेटफ़ॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) - बेहतर सुरक्षा और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए, पीएसडी को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया गया है;

(iv) राष्ट्रीय कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) – एक राष्ट्र-एक कार्ड यानी एनसीएमसी देश में सभी एनसीएमसी सक्षम परिवहन प्रणालियों पर काम करेगा;

(v) क्यूआर आधारित टिकटिंग – क्यूआर आधारित टिकटिंग प्रणाली ने मोबाइल आधारित ऐप्स से टिकटों की बुकिंग की सुविधा प्रदान की है;

(vi) मानवरहित रेल परिचालन (यूटीओ) – संसाधनों के बेहतर उपयोग सहित सेवा की बेहतर दक्षता और गुणवत्ता के लिए, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन पर यूटीओ कार्यात्मक है;

(vii) स्वदेशी स्वचालित ट्रेन पर्यवेक्षण प्रणाली (i-एटीएस)-डीएमआरसी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के संयुक्त प्रयासों से विकसित भारत की पहली स्वदेशी स्वचालित ट्रेन पर्यवेक्षण प्रणाली को दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर लागू किया गया है।

उपरोक्त तकनीकी सुधारों में से, चेन्नई मेट्रो परियोजना में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड, क्यूआर आधारित टिकटिंग, प्लेटफ़ॉर्म स्क्रीन डोर आदि प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, चेन्नई मेट्रो चरण-2 को यूटीओ संचालन के लिए योजनाबद्ध किया गया है।

*****